

19 फरवरी 2024 : समाचार विश्लेषण**A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:**

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

E. संपादकीय:अंतर्राष्ट्रीय संबंध

- ग्रलत प्राथमिकताएँ
- समुद्र पारीय संबंध
- गाजा में शांति की संभावनाएं अभी भी दूर हैं

राजव्यवस्था

- भारतीय मतदाताओं की विशाल संख्या और इसकी राज्यवार मिन्नताएँ

F. प्रोलिम्स तथ्य:

- आईपीसीसी की मूल्यांकन रिपोर्ट
- अल्ट्राडियन लय

G. महत्वपूर्ण तथ्यः

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्नः**I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्नः****संपादकीय-द हिन्दू****गलत प्रार्थनिकताएँ**

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

विषयः भारत एवं इसके पड़ोसी- संबंध।

मुख्य परीक्षा: मुक्त आवाजाही व्यवस्था और इसे उलटने के बाट द्विपक्षीय संबंधों पर प्रभाव।

भूमिका:

- किसी राष्ट्र की पहचान उसके लोगों से होती है, न कि केवल उसकी सीमाओं से।
- गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भारत और म्यांमार के बीच मुक्त आवाजाही व्यवस्था (FMR) को खत्म करने का निर्णय राष्ट्र-निर्माण के इस दृष्टिकोण से हटकर बदलाव का एक प्रतीक है।

FMR को खत्म करने का तर्कः

- FMR को खत्म करने के औचित्य में नशीले पदार्थों की तस्करी और खुली सीमा से होने वाली विद्रोही गतिविधियों के बारे में चिंताएं शामिल हैं।
- हालाँकि, ये कारण पूरी तरह से ठोस नहीं हैं, क्योंकि विद्रोही समूह कमजोर हो गए हैं, और नशीले पदार्थों का व्यापार सीमा पार से परे विभिन्न कारकों के कारण संगठित हुआ है।

क्षेत्रीय भावनाएँ:

- मणिपुर, नागालैंड और मिजोरम जैसे राज्यों में FMR को खत्म करने पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ उनकी आबादी की विभिन्न भावनाओं को दर्शाती हैं।
- जबकि मणिपुर ने चल रहे संघर्षों के कारण निर्णय के समर्थन में आवाज़ उठाई है, नागालैंड और मिजोरम इसका विरोध कर रहे हैं, विशेष रूप से म्यांमार में मानवीय संकट के आलोक में जिसके कारण शरणार्थी इन क्षेत्रों में शरण ले रहे हैं।

मानवीय चिंताएँ:

- म्यांमार में गृह युद्ध ने एक महत्वपूर्ण मानवीय संकट पैदा कर दिया है, जिसके कारण नागरिक मिजोरम और मणिपुर जैसे पड़ोसी भारतीय राज्यों में शरण ले रहे हैं।
- मिजोरम और मणिपुर, जातीय संबंधों से प्रेरित होकर, शरणार्थियों को सहायता प्रदान कर रहे हैं, जबकि मणिपुर में कुछ समूह अवैध प्रवास के बारे में चिंता जता रहे हैं।

निष्कर्ष:

- FMR ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में कार्य किया, व्यापार और वाणिज्य को सुविधाजनक बनाया और सीमाओं के पार साझा जातीय संबंधों को स्वीकार किया।
- इस व्यवस्था को उलटने और सीमा पर बाड़ लगाने का निर्णय प्राथमिकताओं के गलत संरेखण को दर्शाता है, विशेष रूप से रसद संबंधी चुनौतियों और स्थिति के मानवीय पहलू पर विचार करते हुए। इसलिए, इस पर पुनर्विचार की आवश्यकता है।

सारांश:

- भारत और म्यांमार के बीच मुक्त आवाजाही व्यवस्था (FMR) को खत्म करने का निर्णय क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और मानवीय संकटों को संबोधित करने में इसके लाभों को नजरअंदाज करता है, जो सीमा प्रबंधन में गलत प्राथमिकताओं को दर्शाता है।

समुद्र परीय संबंध**सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित****अंतर्राष्ट्रीय संबंध**

विषय: द्विविक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।

मुख्य परीक्षा: भारत-यूरेंसी सौहार्दपूर्ण संबंध।**भूमिका:**

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया यूरेंसी यात्रा, 2014 के बाद से उनकी सातवीं यात्रा है, जो भारत की विदेश नीति में अमीरात के बढ़ते महत्व को रेखांकित करती है।
- यह यात्रा दुबई में 'विश्व सरकार शिखर सम्मेलन' में पीएम मोदी की भागीदारी और अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर के उद्घाटन के साथ हुई, जो द्विविक्षीय संबंधों की बहुमुखी प्रकृति को उजागर करती है।

आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाना:

- 2022 में व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) का त्वरित समापन और हालिया द्विविक्षीय निवेश संधि (BIT) भारत और UAE के बीच गहरे आर्थिक सहयोग को प्रदर्शित करता है।
- UAE अब भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार, दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) का चौथा सबसे बड़ा स्रोत है, जो दोनों देशों के आर्थिक साझेदारी के महत्व को उजागर करता है।
- भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) के लिए भारत मार्ट के उद्घाटन जैसी पहल दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को और मजबूत करती है।

तकनीकी सहयोग:

- दोनों देशों ने ऊर्जा सुरक्षा के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे, अनुसंधान और विकास (R&D) को बढ़ाने तथा हरित हाइड्रोजन एवं ऊर्जा भंडारण जैसे रास्ते तलाशने के उद्देश्य से तकनीकी सहयोग शुरू किया है।
- डिजिटल क्रॉस-भुगतान पर समझौते पारस्परिक लाभ और प्रगति के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

रणनीतिक सहयोग और बहुपक्षीय जुड़ाव:

- भारत-मध्य पूर्व आर्थिक गलियारे पर एक अंतर सरकारी ढांचे के लिए समझौता भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक बहुपक्षीय सहयोग के लिए मंच तैयार करता है।
- ब्रिस्स में यूएई की हालिया सदस्यता के साथ-साथ अमेरिका और इजराइल के साथ I2U2 जैसी पहल पर सहयोग, रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करता है।
- इजराइल-गाजा ऑपरेशन और लाल सागर में हमलों जैसे क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा, अशांत क्षेत्र में एक स्थिर वार्ताकार के रूप में यूएई की भूमिका पर प्रकाश डालती है।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध:

- भारत-यूएई संबंध सदियों पुराने समुद्री व्यापार और सांस्कृतिक जुड़ाव में गहराई से निहित हैं, जिसमें भारतीय प्रवासियों की एक महत्वपूर्ण संख्या भारत के वैश्विक प्रेषण में लगभग 18% योगदान देती है।
- जबकि आर्थिक और रणनीतिक हित संरेखित हैं, शासन प्रणालियों और सामाजिक गतिशीलता में अंतर संभावित चुनौतियां पैदा करता है, जिससे दोनों देशों को सावधानीपूर्वक आगे बढ़ने की आवश्यकता है।
- सहिष्णुता, बहुलवाद और "मानवता की साझा विरासत" के साझा मूल्यों पर पीएम मोदी का जोर अरब सागर के पार दोनों देशों के बीच स्थायी संबंधों को रेखांकित करता है।

सारांश:

- प्रधानमंत्री मोदी की हाल की यूएई यात्रा दोनों देशों के बीच गहरे होते रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को रेखांकित करती है। व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहित महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर के साथ, यह यात्रा साझा मूल्यों और ऐतिहासिक संबंधों पर आधारित बढ़ती साझेदारी का संकेत देती है।

गाजा में शांति की संभावनाएं अभी भी दूर हैं

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

विषय: भारत के हितों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: वर्तमान में जारी गाजा संघर्ष और भारत-इजरायल संबंधों पर इसका प्रभाव।

भूमिका: गाजा में संघर्ष

- गाजा में संघर्ष लगभग पांच महीने से जारी है, जिसके परिणामस्वरूप कई फिलिस्तीन निवासियों की मृत्यु हुई और बड़े पैमाने पर विनाश हुआ है।

- प्रमुख शांति पहलें की गई हैं, जिसमें अमेरिका और इजराइल के खुफिया विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ मिस्र, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के समकक्षों के साथ-साथ कतर के प्रधानमंत्री भी शामिल हैं।
- अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने युद्धविराम की वकालत करने और गाजा के लिए मानवीय सहायता बढ़ाने की वकालत करने के लिए इस क्षेत्र का कई बार दौरा किया है।

शांति वार्ता: प्रस्ताव और अस्वीकृति

- पेरिस में एक शांति योजना सामने आई, जिसमें इजरायल द्वारा हिरासत में रखे गए फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में हमास द्वारा बंधक बनाए गए बंधकों की रिहाई के साथ दो महीने के युद्धविराम का प्रस्ताव रखा गया है।
- हमास ने प्रस्ताव को संशोधित किया, बंधकों की चरणबद्ध रिहाई और मानवीय सहायता प्रवाह में वृद्धि के साथ 135 दिनों के संघर्ष विराम का आहवान किया, जिससे पूर्ण युद्धविराम और इजरायली सेना की वापसी शामिल है।
- इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया, हमास की शर्तों को "भ्रमपूर्ण" करार दिया, हमास पर "संपूर्ण जीत" और गाजा पर फिर से कब्जा करने के लिए अपना रुख बरकरार रखा।
- अस्वीकृति के बावजूद, अमेरिकी अधिकारियों ने, यह सुझाव देते हुए आशा व्यक्त की है कि हमास के प्रस्ताव ने संभावित समझौते के लिए उम्मीद जगाई है। कैदियों की अदला-बदली और सहायता अभियानों के संबंध में काहिरा में बातचीत जारी रही।

नेतन्याहू का कट्टर रुख और राजनीतिक गणना:

- नेतन्याहू का कट्टरपंथी दृष्टिकोण व्यक्तिगत हितों से उपजा हो सकता है, जिसमें दक्षिणपंथी समर्थन बनाए रखने और भ्रष्टाचार के आरोपों से संबंधित परिणामों से बचने की उनकी इच्छा भी शामिल है।
- उन्होंने "द्वि-राष्ट्र समाधान" और कब्जे वाले क्षेत्रों के भीतर एक संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य के लिए प्रयास को लगातार खारिज किया है।
- शांति पहल के प्रति उनकी प्रतिक्रिया अमेरिकी दबाव सीमाओं के उनके आकलन से प्रभावित हो सकती है, विशेष रूप से आगामी राष्ट्रपति चुनावों और रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों से इजराइल के लिए समर्थन को देखते हुए।
- व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रम्प की संभावित वापसी तक संघर्ष को लम्बा खींचने की नेतन्याहू की प्राथमिकता ट्रम्प के समर्थन पर उनकी निर्भरता को दर्शाती है।

सऊदी अरब कार्ड और इजरायली रणनीति:

- अमेरिका का उद्देश्य सऊदी अरब के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की संभावना का लाभ उठाना है ताकि नेतन्याहू को एक संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य को स्वीकार करने के आधार पर युद्धविराम की ओर अग्रसर किया जा सके।
- नेतन्याहू का मानना है कि वह फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव को हासिल करके इसे दरकिनार कर सकते हैं, जिससे औपचारिक रियायतों के बिना सऊदी अरब के साथ सामान्यीकरण शुरू हो जाएगा।
- हालाँकि, सऊदी अरब के हालिया बयान 1967 की सीमाओं पर एक संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य की आवश्यकता की पुष्टि करते हैं, जो नेतन्याहू की रणनीति में संभावित बाधाओं का संकेत देते हैं।

सारांश:

- गाजा में चल रहे संघर्ष के बीच, शांति वार्ता में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हमास की प्रस्तावित शर्तों को खारिज कर दिया है। राजनीतिक गणनाएँ और बाहरी दबाव मानवीय संकट को कम करने के प्रयासों को जटिल बनाते हैं।

भारतीय मतदाताओं की विशाल संख्या और इसकी राज्यवार भिन्नताएँ

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित

राजव्यवस्था

विषय: लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ

मुख्य परीक्षा: बढ़ती जनसंख्या के बीच परिसीमन की चुनौती

भूमिका: भारत का मतदाता आकार और राज्य भिन्नताएँ

- भारत दुनिया का सबसे बड़ा चुनावी लोकतंत्र है, जिसमें 97 करोड़ योग्य मतदाताओं के आगामी आम चुनावों में भाग लेने की उम्मीद है, जो 2019 से 6% की वृद्धि है।
- भारत के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में बड़ी संख्या में मतदाता रहते हैं, जो कुछ प्रमुख देशों की आबादी के बराबर है।
- राज्यों के बीच मतदाताओं के आकार में अंतर भारत में प्रतिनिधित्व और शासन की जटिलता को रेखांकित करता है।

मतदाताओं के आकार की राज्यवार तुलना:

- उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में मतदाताओं का आकार क्रमशः ब्राजील, मैक्सिको और फिलीपींस जैसे आबादी वाले देशों के बराबर है।
- यहां तक कि गोवा जैसे छोटे राज्यों में भी मतदाताओं का आकार बहरीन और साइप्रस जैसे संप्रभु देशों के बराबर है।

प्रतिनिधित्व में भिन्नता: प्रति संसद सदस्य औसत मतदाता

- विभिन्न राज्यों में संसद सदस्यों (सांसदों) द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले मतदाताओं की संख्या में महत्वपूर्ण अंतर मौजूद हैं।
- उदाहरण के लिए, जबकि दिल्ली का एक सांसद औसतन 20.5 लाख मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करता है, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों के लिए यह संख्या क्रमशः 18.3 लाख, 15.8 लाख और 15.4 लाख हैं।

परिसीमन अभ्यास के स्थगन निहितार्थ:

- स्थगित परिसीमन अभ्यास (आखिरी बार 1971 की जनगणना के बाद आयोजित किया गया था) से प्रतिनिधित्व में असमानताएं पैदा हुई हैं।
- प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण उपायों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई इस कवायद के परिणामस्वरूप लोकसभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व असमान हो गया है।

परिसीमन की संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ:

- विशेषज्ञ ऐसे परिसीमन अभ्यास के प्रति आगाह करते हैं जो संघीय असंतुलन को बढ़ा सकता है, यह संभावित रूप से उन राज्यों के प्रतिनिधित्व को कम कर सकता है जिन्होंने जनसंख्या वृद्धि को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया है।
- प्रस्तावित समाधानों में परिसीमन पर रोक बनाए रखने से लेकर जनसंख्या की गतिशीलता को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए राज्य विधानसभाओं के आकार को समायोजित करना शामिल है।

सारांश:

- भारत के आगामी आम चुनाव दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में इसकी स्थिति को उजागर करते हैं। राज्यों के बीच मतदाताओं के आकार में महत्वपूर्ण भिन्नताओं के साथ, परिसीमन पर बहस संघीय प्रतिनिधित्व और जनसंख्या गतिशीलता के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. आईपीसीसी की मूल्यांकन रिपोर्ट

- IPCC के छठे मूल्यांकन चक्र (AR6) की तीन रिपोर्ट 2021-2022 में प्रकाशित की गईं। ये दस्तावेज जलवायु परिवर्तन के परिणामों, अनुकूलन और भेद्यता के साथ-साथ शमन पहलुओं का भी परीक्षण करते हैं।
- छठी मूल्यांकन रिपोर्ट (AR6) ने चेतावनी दी कि पूर्व-औद्योगिक युग से दुनिया की औसत सतह के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को सीमित करने का समय - जैसा कि पेरिस समझौते में सहमति हुई थी - समाप्त हो रहा है और हम अनुकूलन सीमाओं को पार करने के करीब हैं।
- पेरिस समझौते के लक्ष्यों की दिशा में दुनिया की प्रगति का आकलन करने के लिए, UNFCCC देश हर पांच साल में एक 'ग्लोबल स्टॉकटेक' (GST) आयोजित करते हैं।

2. अल्ट्राडियन लय

- जबकि सर्केंडियन लय जैसे कि सोने-जागने का चक्र 24 घंटे के चक्र का पालन करता है, वहीं अल्ट्राडियन लय जैविक लय हैं जो हर 24 घंटे में एक से अधिक बार दोहराई जाती हैं।
- वे हृदय की धड़कन, श्वसन, हार्मोनल रिलीज और मस्तिष्क-तरंग गतिविधि सहित विभिन्न शारीरिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं।
- उनमें से एक अधिक प्रसिद्ध निद्रा चक्र है, जिसकी विशेषता एकांतर तीव्र नेत्र गति (REM) और गैर-REM निद्रा की अवधि है।
- अल्ट्राडियन लय हार्मोन रिलीज के पैटर्न को भी प्रभावित करती है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- वायु शक्ति अभ्यास एक त्रिवर्षिक अभ्यास है जिसका उद्देश्य पूर्ण स्पेक्ट्रम संचालन करने तथा विमान और हेलीकॉप्टर, परिवहन विमान एवं मानव रहित हवाई वाहनों की भागीदारी का अवलोकन करने के लिए भारतीय वायुसेना की क्षमता का प्रदर्शन करना है।
- भारत और ब्रिटेन की वायुसेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास को गरुड़ कहा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- कथन 2 गलत है: भारत और यूके की वायु सेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास को अभ्यास इंद्र धनुष कहा जाता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- डॉ. केके मोहम्मद कोया सी कुकुम्बर संरक्षण रिजर्व दुनिया का पहला सी कुकुम्बर संरक्षण क्षेत्र है।
- पिट्टी द्वीप पर स्थित, पिट्टी पक्षी अभ्यारण्य अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह का एक हिस्सा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- कथन 2 गलत है: पिट्टी पक्षी अभ्यारण्य लक्षद्वीप में स्थित है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- "GOAL (गोइंग ऑनलाइन ऐज़ लीडर्स)" को डिजिटल मोड के माध्यम से आदिवासी युवाओं को सलाह प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।
- यह फेसबुक और जनजातीय मामलों के मंत्रालय की एक संयुक्त पहल थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- दोनों कथन सही हैं: GOAL कार्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी के लिए 19 जुलाई, 2022 का [PIB](#) लेख पढ़ें।

प्रश्न 4. पनामा उकठा रोग से कौन सी फसल संक्रमित होती है?

- (a) अनानास
- (b) मक्का
- (c) नारियल
- (d) केला

उत्तर: (d)

व्याख्या: पनामा उकठा रोग एक पादप रोग है जो केले के पौधों को संक्रमित करता है। यह आधुनिक समय के सबसे विनाशकारी पादप रोगों में से एक है। इसकी उत्पत्ति संभवतः दक्षिण पूर्व एशिया में हुई थी और सबसे पहले 1876 में ऑस्ट्रेलिया में इसकी सूचना मिली थी।

प्रश्न 5. निम्नलिखित फसलों में से कौन-सी एक, मेरेन और नाइट्रस ऑक्साइड दोनों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मनावोद्भवी स्रोत है? [PYQ 2022]

- (a) कपास
- (b) धान
- (c) गन्ना
- (d) गेहूँ

उत्तर: (b)

व्याख्या: धान मेरेन और नाइट्रस ऑक्साइड दोनों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मनावोद्भवी स्रोत है।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. विभिन्न हितधारक इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष का समाधान नहीं निकाल पा रहे हैं क्योंकि उनकी प्राथमिकताएँ अलग-अलग हैं। टिप्पणी कीजिए। ([The different stakeholders are not able to bring a solution to the Israel-Palestine conflict as their priorities are different. Comment.](#))

(10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-2, अंतर्राष्ट्रीय संबंध]

प्रश्न 2. परिसीमन प्रक्रिया कितनी महत्वपूर्ण है और क्या इस पर पुनः विचार करने की आवश्यकता है जैसा कि भारत में किया जाता है? ([How important is the delimitation process and is there a need to have a relook into this as it is done in India?](#))

(10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-2, राजव्यवस्था]



(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

